आज महानगर

जैविक खेती अपनाकर महिलाएं बनें आत्मनिर्भर

प्रशिक्षण के माध्यम से दी जानकारियां

कानपुर, 10 नवम्बर। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रसार निदेशालय की ओर से महिला सशक्तिकरण विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय दिवस आज मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती विषय पर 5 जनपदों की प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि जैविक कीटनाशक, जैविक खादें फसलों में डालकर गुणवत्ता युक्त उत्पाद पैदा कर बाजार में अच्छे उच्च दामों पर बिक्री कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। वैज्ञानिक डा.आशा यादव ने महिलाओं की किशोरावस्था , गर्भावस्था एवं रजोनिवृत्ति के समय उचित देखभाल करने एवं संतुलित आहार पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह समय महिलाओं के लिए बहुत ही जटिल तथा पीड़ादायक होता है, जिसके लिए बिशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । उद्यान,सह प्राध्यापक, डा. सुभाष चंद्रा ने फल एवं सब्जी पौधशाला प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी देते हुए आवाहन किया कि आप पौध तैयार कर स्वरोजगार स्थापित कर सकतीं हैं, जोकि बहुत लाभकारी होगा। प्रधान वैज्ञानिक डा.साधना पाण्डेय ने बताया कि देश एवं प्रदेश में कुपोषण की भयावह स्थिति पर जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं को अपना स्वयं एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि कि परिवार में जब महिलाएं स्वस्थ होंगी तो पूरा परिवार स्वस्थ होगा, तभी आर्थिक विकास होगा । इस दौरान संयोजक, डा.एस.बी.पाल, डा.अनिल कुमार सिंह, डा. सोहन वर्मा आदि मौजूद रहे।

बृहस्पतिवार • 11.11.2021
अमर उजाला 05

जैविक कीटनाशक बनाना सिखाया

कानपुर। सीएसए में महिला सशक्तीकरण विषय पर चल रहे प्रशिक्षण के तीसरे दिन बुधवार को महिलाओं को जैविक कीटनाशक बनाने के बारे में बताया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि एक मटके में मट्ठा, नीम की पत्तियां और गौमूत्र मिलाकर 15 दिन रख देने से जैविक कीटनाशक तैयार हो जाता है। पानी की कुल मात्रा में 10 प्रतिशत कीटनाशक मिलाकर हर 15 दिन में फसल पर छिड़काव कर सकते हैं। एक हेक्टेयर खेत में 200 लीटर कीटनाशक का छिड़काव करना होता है। डॉ. आशा यादव ने किशोरावस्था, गर्भावस्था के समय देखभाल, संतुलित आहार और डॉ. सुभाष चंद्रा ने पौधशाला प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. साधना पांडेय, डॉ. एसबी पाल, डॉ. अनिल कुमार सिंह और डॉ. सोहन लाल वर्मा आदि मौजूद रहे। (संवाद)

Sign in to edit and save changes to this file.

उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश
03
जन एक्सप्रेस
www.janexpresslive.com/epaper
लखनऊ | गुरुवार | 11 नवंबर, 2021

जैविक खेती अपनाकर महिलाएं बनें आत्मनिर्भर: डॉ खलील खान

पौध तैयार कर स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं महिलाएं

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

जैविक खेती से जहां एक तरह किसान अपनी जमीन की उर्वरकता को बरकरार रख सकते हैं तो वहीं उत्पादकता को भी बढ़ा सकते हैं। यह काम महिलाएं आसानी से कर सकती हैं और जैविक खेती से आत्मनिर्भर भी बन सकती हैं। यह बातें बुधवार को महिला सशक्तिकरण पर हो रहे प्रशिक्षण के तीसरे दिन सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कही।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) के प्रसार निदेशालय द्वारा महिला सशक्तिकरण विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। तीसरे दिन मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने जैविक खेती विषय पर पांच जनपदों की प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि जैविक कीटनाशक, जैविक खादें फसलों में डालकर गुणवत्ता युक्त उत्पाद पैदा कर बाजार में अच्छे उच्च दामों पर बिक्री कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। गृह वैज्ञानिक डॉ आशा यादव महिलाओं की किशोरावस्था, गर्भावस्था एवं रजोनिवृत्ति के समय उचित देखभाल करने एवं संतुलित आहार पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह समय महिलाओं के लिए बहुत ही जटिल तथा पीड़ादायक होता है। जिसके लिए बिशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। सह प्राध्यापक उद्यान डा. सुभाष चन्द्रा ने फल एवं सब्जी पौधशाला प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी देते हुए आवाहन किया कि आप पौध तैयार कर स्वरोजगार स्थापित कर सकतीं हैं। जो बहुत लाभकारी होगा। अटारी की प्रधान वैज्ञानिक डा.साधना पाण्डेय देश एवं प्रदेश में कुपोषण की भयावह स्थिति पर जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं को अपना स्वयं एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि कि परिवार में जब महिलाएं स्वस्थ होंगी तो पूरा परिवार स्वस्थ होगा तभी आर्थिक विकास होगा।

कार्यक्रम संयोजक, डा.एस.बी.पाल एवं सह संयोजक डा.अनिल कुमार सिंह द्वारा समय के मांग के अनुरूप वैज्ञानिकों की वार्ताओं का प्रबंधन कर सफल आयोजन कराया जा रहा है। डा. सोहन लाल वर्मा ने उपस्थित रहकर सहयोग किया।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • बृहस्पतिवार • 11 नवम्बर • 2021

महिलाओं को आत्मनिर्भर बना सकती है जैविक खेती

कानपुर (एसएनबी)। जैविक खेती अपना कर महिलाएं आत्मनिर्भर वन सकती हैं। महिला सशक्तिकरण के तहत चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में महिलाओं को इस सम्वंध में दिये जा रहे प्रशिक्षण के दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने यह वात कही।

महिलाओं को प्रशिक्षण देते सीएसए के वैज्ञानिक। फोटो : एसएनबी

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत वुधवार को विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही विभिन्न जनपदों की महिलाओं को आत्मनिर्भर वनने के टिप्स दिये। उन्होंने वताया कि जैविक कीटनाशक और जैविक खाद का प्रयोग भी महिलाओं को आत्मनिर्भर वना सकता है।

सीएसए में महिला सशक्तिकरण के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण

यहां कृषि विश्वविद्यालय फिरोजावाद की कृषि वैज्ञानिक डॉ.आशा यादव ने महिलाओं को किशोरावस्था, गर्भविस्था और रजोनिवृत्ति के समय अपना उचित देखभाल करने और संतुलित आहार ग्रहण करने के सम्वंध में जरूरी जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि रजोनिवृत्ति का समय महिलाओं के लिये वहुत ही जटिल व पीड़ादायक होता है, ऐसे समय में उनकी देखभाल की विशेष आवश्यकता होती है। डॉ.सुभाष चंद्रा ने फल व सव्जी पौधशाला प्रवंधन पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि महिलाएं अपनी स्वयं की पौधशाला शुरू कर स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं। यह उन्हें अच्छा लाभ दे सकता है। डॉ.साधना पाण्डेय ने कानपुर, प्रदेश व देश में कुपोषण की भयावह स्थिति पर जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं को अपना और अपने वच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा।

कारण कि परिवार में जव महिलाएं स्वस्थ होंगी तो पूरा परिवार स्वस्थ होगा, तभी आर्थिक और सामाजिक विकास हो सकता है। यहां डॉ.एसवी पाल, डॉ.अनिल कुमार सिंह और सोहन लाल वर्मा आदि थे।